सीमा सन्देश 3

जयपुर. शनिवार .2.5.2015

चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन

जयपुर। चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान शुक्रवार को एमएनआईटी (मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में एमएनआईटी व राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क, जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. मशेल्कर ने 'रिइनवेंटिंग इण्डिया एज इनोवेशन नेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गरीब व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता की तकनीक से उत्पाद बनाना असली नवाचार है। गरीब व्यक्ति के लिए कम गुणवत्ता का तथा अमीर के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना नवाचार नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत देश में वह क्षमता है जिससे वह समावेशी नवाचार कर ग्लोबल लीडर बन सकता है।

मशेल्कर ने नवाचारों की देश के विकास में भूमिका का प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह नवाचार का ही परिणाम है कि अब सोशल मीडियाँ, व्यापार सभी का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि टीवी आमजन की पहुंच में 13 वर्षों में, इंटरनेट 3 वर्षों में, फेसबुक 1 वर्ष में तथा टिवट्र 9 माह में पहुंचा है। इससे यह समझा जा सकता है कि बदलाव तीव्र गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश को दूसरी स्वतन्त्रता 1990 के बाद वैश्वीकरण के दौर में मिली तथा तीसरी स्वतन्त्रता सुपर कम्प्यूटर के अविष्कार के बाद मिली। इससे आज यह संभव हो पाया है कि हमारे देश ने मात्र 74 मिलियन डॉलर में मॉम (मास ऑर्बिट मिशन) संभव करके दिखाया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में केवल भारत देश में यह क्षमता है कि वह प्रत्येक क्षेत्र में नवाचारों के माध्यम से कम लागत पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखा सकता है।

इस अवसर पर एमएनआईटी के डायरेक्टर प्रो. आई.के. भट्ट ने कहा कि देश के विकास में शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए शोध से देश में नवाचारों की बयार आ सकती है। व्याख्यान में एनएचआरडीएन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि श्री उदय पारीक ने देश में एचआरडी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में आईआईएचएमआर के ट्रस्टी डॉ. अशोक अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, विद्यार्थी एंव अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

प्रातःकाल जयपुर, शनिवार 2 मई, 2015 3

चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन

पद्म विभूषण प्रो.आर.ए. मशेल्कर शुक्रवार को एमएनआईटी में चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए।

जयपुर। चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान शुक्रवार को एमएनआईटी (मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में एमएनआईटी व राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क, जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. मशेल्कर ने 'रिइनवेंटिंग इण्डिया एज इनोवेशन नेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गरीब व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता की तकनीक से उत्पाद बनाना असली नवाचार है। गरीब व्यक्ति के लिए कम गुणवत्ता का तथा अमीर के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना नवाचार नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत देश में वह क्षमता है जिससे वह समावेशी नवाचार कर ग्लोबल लीडर बन सकता है। मशेल्कर ने नवाचारों की देश के विकास में भूमिका का प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह नवाचार का ही परिणाम है कि अब सोशल मीडिया, व्यापार सभी का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि टीवी आमजन की पहुंच में 13 वर्षों में, इंटरनेट 3 वर्षों में, फेसबुक 1 वर्ष में तथा टिवट्र 9 माह में पहुंचा है। इससे यह समझा जा सकता है कि बदलाव तीव्र गति से हो रहा है।

उन्होंने बताया कि देश को दूसरी स्वतन्त्रता 1990 के बाद वैश्वीकरण के दौर में मिली तथा तीसरी स्वतन्त्रता सुपर कम्प्यूटर के अविष्कार के बाद मिली। इससे आज यह संभव हो पाया है कि हमारे देश ने मात्र 74 मिलियन डॉलर में मॉम (मास ऑर्बिट मिशन) संभव करके दिखाया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में केवल भारत देश में यह क्षमता है कि वह प्रत्येक क्षेत्र में नवाचारों के माध्यम से कम लागत पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखा सकता है।

इस अवसर पर एमएनआईटी के डायरेक्टर प्रो. आई.के. भट्ट ने कहा कि देश के विकास में शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए शोध से देश में नवाचारों की बयार आ सकती है। व्याख्यान में एनएचआरडीएन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उदय पारीक ने देश में एचआरडी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में आईआईएचएमआर के ट्रस्टी डॉ. अशोक अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, विद्यार्थी एंव अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

पंजाब केसरी JAIPUR punjabkesari.com fb.me/pkdonline 2 मई, 2015 शनिवार

चतुर्थ उदय पारीक मैमोरियल व्याख्यान सम्पन्न

जयपुर,(कासं): गरीब व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता की तकनीक से उत्पाद बनाना असली नवाचार है। गरीब व्यक्ति के लिए कम गुणवत्ता का तथा अमीर के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना नवाचार नहीं माना जाएगा। भारत देश में वह क्षमता है, जिससे वह समावेशी नवाचार कर ग्लोबल लीडर बन सकता है। यह कहना है पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. मशेल्कर का। प्रो. मशेल्कर चतुर्थ उदय पारीक मैमोरियल व्याख्यान शुक्रवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एमएनआईटी व राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क, जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. मशेल्कर ने 'रिइनवेंटिंग इण्डिया एज इनोवेशन नेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नवाचारों की देश के विकास में भूमिका का प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह नवाचार का ही परिणाम है कि अब सोशल मीडिया, व्यापार सभी का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि टीवी आमजन की पहुंच में 13 वर्षों में, इंटरनेट 3 वर्षों में, फेसबुक 1 वर्ष में तथा टिवट्र 9 माह में पहुंचा है। इससे यह समझा जा सकता है कि बदलाव तीव्र गति से हो रहा है।

मॉर्निंग न्यूज़ | 2 | जयपुर, शनिवार 2 मई 2015 14

जयपुर

गरीब के लिए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाना असली नवाचार : माशेल्कर

जयपुर (मोन्यू)। गरीब व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना ही असली नवाचार है। गरीब व्यक्ति के लिए कम गुणवत्ता का तथा अमीर के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना नवाचार नहीं माना जाएगा।

यह बात पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. माशेल्कर ने शुक्रवार को यहां 'रिइनवेंटिंग इण्डिया एज इनोवेशन नेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कही। चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान शुक्रवार को यहां एमएनआइटी में आयोजित किया गया। माशेल्कर ने कहा कि भारत में वह क्षमता है जिससे वह समावेशी नवाचार कर ग्लोबल लीडर बन सकता है।

माशेल्कर ने नवाचारों की देश के विकास में भूमिका का प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह नवाचार का ही परिणाम है कि अब सोशल मीडिया, व्यापार सभी का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि टीवी आमजन की पहुंच में 13 वर्षों में, इंटरनेट 3 वर्षों में, फेसबुक 1 वर्ष में तथा टिवट्र 9 माह में पहुंचा है। इससे यह समझा जा सकता है कि बदलाव तेजी से हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश को दूसरी स्वतन्त्रता 1990 के बाद वैश्वीकरण के दौर में मिली तथा तीसरी स्वतन्त्रता सुपर कम्प्यूटर के अविष्कार के बाद मिली। इससे आज यह संभव हो पाया है कि हमारे देश ने मात्र 74 मिलियन डॉलर में मॉम (मास ऑर्बिट मिशन) संभव करके दिखाया।

इस अवसर पर एमएनआइटी के डायरेक्टर प्रो. आइ.के. भट्ट ने कहा कि देश के विकास में शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए शोध से देश में नवाचारों की बयार आ सकती है। एनएचआरडीएन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में आइआइएचएमआर के ट्रस्टी डॉ. अशोक अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए।

समाचार जगत
जयपुर, 2 मई 2015
3

'इनोवेशन के क्षेत्र में बदल रही भारत की तस्वीर'

डॉ. आर.ए. मशेलकर

जयपुर (कासं)। जयपुर फुट हो या टेलीकॉम कंपनी रिलायंस व एयरटेल का किफायती दरों में लोगों को कॉल रेट मुहैया करवाना हो, भारत देश ज्यादा से ज्यादा लोगों के लिए कम लागत में अधिक कार्य करने का प्रयास कर रहा है। यह बात पद्म विभूषण डॉ. आर.ए. मशेलकर ने शुक्रवार को नेशनल एचआरडी नेटवर्क और मालवीय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'रीइन्वेंटिंग इंडिया एज इनोवेशन नेशन' पर चौथे उदय पारीक मेमोरियल लेक्चर में कही। उन्होंने स्टूडेंट्स को इनोवेशन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इनोवेशन ज्ञान को धन में बदलता है। यह एक मंच देता है, जहां सब अपने ज्ञान का अधिक से अधिक उपयोग कर देश के अर्थव्यवस्था में मदद कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि किस तरह भारत ने बहुत कम लागत में पहला सुपर कंप्यूटर 'परम' तैयार किया था। उन्होंने बताया की भारत ही है, जिसने मोबाइल फोन्स को उच्च वर्ग के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि मजदूर वर्ग के लिए भी किफायती बनाया। मशेलकर दुनिया में भारत एक नए विज्ञान और प्रद्योगिक क्षेत्र की बदलती तस्वीर के रूप में उभरकर सामने आया है। उनका कहना है कि भारत चाइना की कॉपी नहीं बल्कि उससे सीख रहा है। इस मौके पर भावी इंजीनियर्स के नए-नए प्रयागों की भी काफी सरहाना की। कार्यक्रम के अंत में एमएनआईटी के डायरेक्टर आई.के..भट्ट ने डॉ. आर.ए. मशेलकर को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नेशनल एचआरडी नेटवर्क के जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष अशोक बापना भी मौजूद रहे।

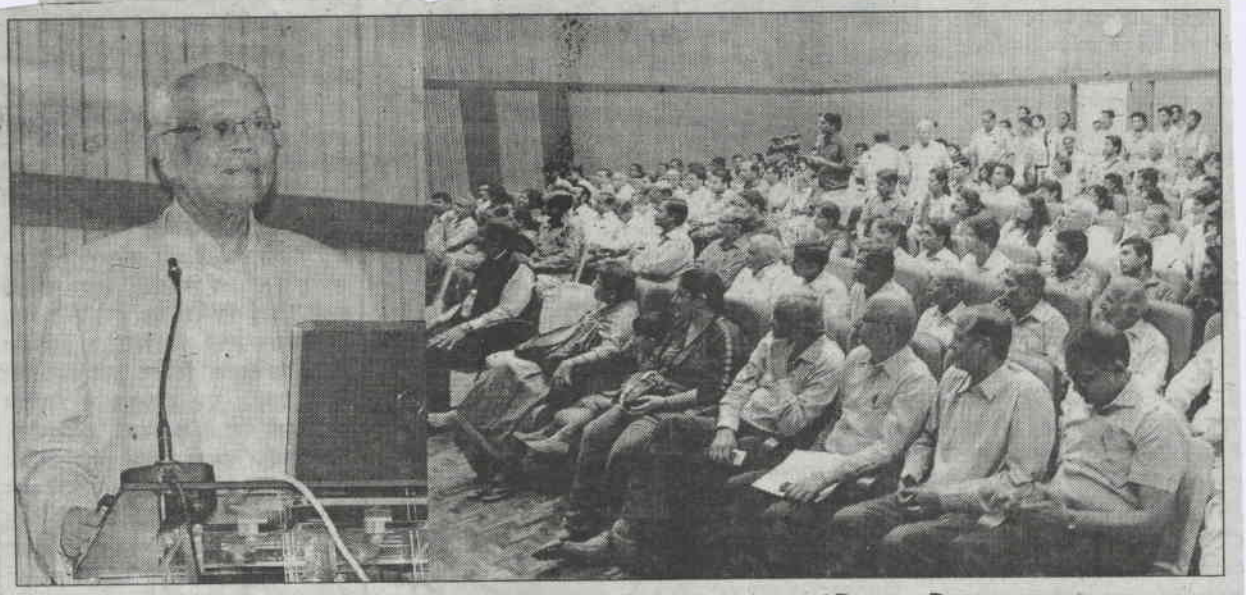

चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन

जयपुर, 1 मई (कासं)। चतुर्थ उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यान शुक्रवार को एमएनआईटी (मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में एमएनआईटी व राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क, जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता पद्म विभूषण प्रो. आर.ए. 'मशेल्कर ने 'रिइनवेंटिंग इण्डिया एज इनोवेशन नेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गरीब व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता की तकनीक से उत्पाद बनाना असली नवाचार है। गरीब व्यक्ति के लिए कम गुणवत्ता का तथा अमीर के लिए उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बनाना नवाचार नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत देश में वह क्षमता है जिससे वह समावेशी नवाचार कर ग्लोबल लीडर बन सकता है।

मशेल्कर ने नवाचारों की देश के विकास में भूमिका का प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह नवाचार का ही परिणाम है कि अब सोशल मीडिया, व्यापार सभी का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि टीवी आमजन की पहुंच में 13 वर्षों में, इंटरनेट 3 वर्षों में, फेसबुक 1 वर्ष में तथा टिवट्र 9 माह में पहुंचा है। इससे यह समझा जा सकता है कि बदलाव तीव्र गति से हो रहा है।

उन्होंने बताया कि देश को दूसरी स्वतन्त्रता 1990 के बाद वैश्वीकरण के दौर में मिली तथा तीसरी स्वतन्त्रता सुपर कम्प्यूटर के अविष्कार के बाद मिली। इससे आज यह संभव हो पाया है कि हमारे देश ने मात्र 74 मिलियन डॉलर में मॉम (मास ऑर्बिट मिशन) संभव करके दिखाया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में केवल भारत देश में यह क्षमता है कि वह प्रत्येक क्षेत्र में नवाचारों के माध्यम से कम लागत पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखा सकता है। इस अवसर पर एमएनआईटी के डायरेक्टर प्रो. आई.के. भट्ट ने कहा कि देश के विकास में शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए शोध से देश में नवाचारों की बयार आ सकती है। व्याख्यान में एनएचआरडीएन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उदय पारीक ने देश में एचआरडी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में आईआईएचएमआर के ट्रस्टी डॉ. अशोक अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, विद्यार्थी एंव अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।